# SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS
# FOR
# MASTER OF ARTS (HINDI)

**(Based on Curriculum and Credit Framework as per NEP 2020)**

**With effect from the Academic Session 2025-26**

## CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION
## MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
## ROHTAK (HARYANA)

# SCHEME OF EXAMINATIONS
# MASTER OF ARTS (HINDI)

| Type of Course | Nomenclature of Course | Course Code | Total Credits | Assignment Marks | Term End Examination (Theory) Marks | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Semester I (2025-26 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 1** | आधुनिक हिंदी कविता–1 | 25HND201DS01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 2** | आधुनिक गद्य साहित्य–1 | 25HND201DS02OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 3** | हिंदी साहित्य का इतिहास–1 | 25HND201DS03OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 4** | भाषाविज्ञान एवंहिंदी भाषा–1 | 25HND201DS04OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 5** | विशेष रचनाकार कबीरदास–1 | 25HND201DS05OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC1** | भाषाई दक्षता–1 | 25HND201SE01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **Semester II (2025-26 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 6** | आधुनिकहिंदी कविता–2 | 25HND202DS01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 7** | आधुनिक गद्य साहित्य–2 | 25HND202DS02OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 8** | हिंदीसाहित्य का इतिहास–2 | 25HND202DS03OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 9** | भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा–2 | 25HND202DS04OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 10** | विशेष रचनाकार कबीरदास–2 | 25HND202DS05OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC2** | कंप्यूटर और हिंदी | 25HND202SE01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |

| Type of Course | Nomenclature of Course | Course Code | Total Credits | Assignment Marks | Term End Examination (Theory) Marks | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Semester III (2026-27 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 11** | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–1 | 26HND203DS01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 12** | भारतीय काव्यशास्त्र–1 | 26HND203DS02OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 13** | भारतीय साहित्य–1 | 26HND203DS03OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 14** | प्रयोजनमूलक हिंदी–1 | 26HND203DS04OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 15** | विशेष रचनाकार प्रेमचंद–1 | 26HND203DS06OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC 3** | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-I | 26HND203SE01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **Semester IV (2026-27 Onwards)** | | | | | | |
| **DSC 16** | प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य–2 | 26HND204DS01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC 17** | भारतीय काव्यशास्त्र–2 | 26HND204DS02OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC18** | भारतीय साहित्य–2 | 26HND204DS03OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC19** | प्रयोजनमूलक हिंदी–2 | 26HND204DS04OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **DSC20** | विशेष रचनाकार प्रेमचंद–2 | 26HND204DS06OD | 04 | 30 | 70 | 100 |
| **SEC4** | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल-II | 26HND204SE01OD | 04 | 30 | 70 | 100 |

# SEMESTER - I

Semester 1st

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | आधुनिक हिंदी कविता–। | Course Code | **25HND201DS01OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रममें से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछेजाएंगे। प्रत्येकप्रश्न एक.. एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पांच अंक निर्धारितहैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है।प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों की समझ

2. आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन

Unit 1:**मैथिलीशरणगुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)**

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरणगुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

Unit 2 : **जयशंकरप्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवंरहस्य सर्ग)**

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिकपृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिकसंदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्यबोध ।

Unit 3:**सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला** :राम की शक्तिपूजा, स्नेह निर्झर बह गयाहै, संध्या सुंदरी, मैंअकेला, तोड़तीपत्थर, बादलरागप्रथम खंड

छायावादीकाव्य परम्परामेंनिराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशीलचेतना, राम की शक्तिपूजा का मूलकथ्य ।

Unit 4:**रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्ठम् सर्ग।**

कुरूक्षेत्र : उत्तरछायावादीकाव्य औरदिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूलप्रतिपाद्य।

## References:-


1 मैथिलीशरणगुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

2 मैथिलीशरणगुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।

3 साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

4 संपूर्णकामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद

5 निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।

6 नईकविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।

7 छायावादीकाव्य औरनिराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथमकानपुर ।

8 निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

9 निरालाऔरनवजागरण : डॉ0 रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।

10 निराला– डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।

11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग–डॉ. रामनिवास शर्मा, राजकमलदिल्ली ।

12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
13 निराला की साहित्य साधना– डॉ0 रामविलास शर्मातीनों खंड
14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता– डॉ0 ललनराय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक
15 अज्ञेय की काव्य चेतना– डॉ0 कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा, दिल्ली ।
16 दिनकरकाव्य का पुनर्मूल्यांकन : डा0 शम्भुनाथ

Semester 1ST

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **आधुनिक गद्य साहित्य –।** | Course Code | **25HND201DS02OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न 3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी

Unit 1: **प्रेमचंद–गोदान**

कृषक जीवन का महाकाव्य, युगीन समस्याओं का निरूपण, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

Unit 2 **हजारी प्रसाद द्विवेदी–बाणभट्ट की आत्मकथा :**

बाणभट्ट की आत्मकथा की मूलसंवेदना, प्रेमदर्शन, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्त्री–पात्र, बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता

Unit 3:**महादेवीवर्मा–अतीत के चलचित्र :**

महादेवीवर्मा की संवेदना, सामाजिक समस्याओं का निरूपण, चरित्र–चित्रण, रचना–शिल्प

Unit 4:**कथान्तर– सं. परमानंद श्रीवास्तव**, राजकमल प्रकाशन पेपर बैक्स, दिल्ली

निर्धारित कहानियाँ –उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लालपान की बेगम।

निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

## References:-


1 गोदान : विविध संदर्भोंमें : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेषप्रकाशन, हरिद्वार ।
2 प्रेमचंदऔरउनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
3 गोदान : मूल्यांकनऔरमूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदीउपन्यास : पहचानऔरपरख : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगाप्रसादविमल, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।
7 हिंदीकहानी : स्वरूपऔरसंवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
8 कहानी : स्वरूपऔरसंवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
9 हिंदीकहानी : एक नईदृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथमदान, संभावनाप्रकाशन, दिल्ली ।
10 हिंदीकहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ0 वेदप्रकाशअमिताभ, अभिसारप्रकाशन, मेहसाना।
11 नईकहानीसंदर्भऔरप्रकृति : देवी शंकरअवस्थी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
12 हिंदीकहानी : रचनाप्रक्रिया : परमानन्दश्रीवास्तव, ग्रंथमकानपुर ।

Semester 1ST

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | हिंदी साहित्य का इतिहास–1 (आदिकाल से रीतिकाल) | Course Code | **25HND201DS03OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एकअंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी

2 हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Unit 1:**1 हिंदीसाहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व–पीठिका**

हिंदी साहित्य के इतिहासलेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा– निर्धारण

Unit 2**आदिकाल**

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासोकाव्य–परंपरा
पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता

Unit 3:**भक्तिकाल**

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्ति कालीनकाव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफीकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
रामकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्णकाव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

Unit 4:**रीतिकाल**

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ–
रीतिबद्ध
रीतिसिद्ध
रीतिमुक्त
रीतिइत्तर

## References:-


1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमारवर्मा, रामनारायण लाल, बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसराइतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणाऔरप्रवृति, डॉ0 रामसजनपाण्डेय, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणासाहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दीपरिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

Semester 1ST

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा–।** | Course Code | **25HND201DS04OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक-एकअंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 भाषा और उसके उपांगो का ज्ञान

2 भाषा विज्ञानं की विशिष्ट समझ विकसित होगी

Unit 1:**1** **भाषा**

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा के अध्ययन क्षेत्र
भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
भाषा की संरचना
भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

Unit 2**2** **स्वनविज्ञान**

वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रकिया
स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण और उनकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण

Unit 3: **रूपविज्ञान एवं वाक्य विज्ञान**

शब्द और रूप (पद)
संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व
रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप
रूपिमों का वर्गीकरण
भाषा की इकाई के रूप में वाक्य
अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद
वाक्य के प्रकार :
रचना की दृष्टि से
अर्थ की दृष्टि से
वाक्य की गहनसंरचना और बाह्य संरचना

Unit 4:**अर्थविज्ञान**

अर्थ की अवधारणा, शब्द–अर्थ संबंध
अर्थ–बोध के साधन
एकार्थकता, अनेकार्थता
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

## References:-


1 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, 4424 नईसड़क, दिल्ली– 6 2004 ई0

2 भाषाऔरहिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 नरेशमिश्र, हरियाणासाहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला, 2006 ई0

3 भाषाऔरभाषाविज्ञान– डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94, 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवंहिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसारोड, कश्मीरीगेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदीभाषा– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान– डॉ0 भोलानाथतिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका– प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्णप्रकाशन, अंसारीरोड, दरियागंजदिल्ली–2,2001 ई0

8 हिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 धीरेन्द्रवर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्‌भवविकासऔर रूप– डॉ0 हरदेवबाहरी, किताबमहल, सरोजनीनायडू, मार्ग, इलाहाबाद, 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान– डॉ0 बाबूरामसक्सेना, हिंदीसाहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई0

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहारग्रंथ अकादमीकदम कुआँ, पटना, 2000 ई0

12 आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह–चतुर्भुज सहाय, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलपब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई0

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **विशेष रचनाकार कबीरदास–।** | Course Code | **25HND201DS05OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1 और 2 से कुल आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न3. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 3 और 4 से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यूनिट 3 और 4 से दो–दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं।, प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के मध्यकालीनयुग का विशिष्ट ज्ञान

2 कवि कबीर दास की कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1:व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : कबीर ग्रंथावली– सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

**निर्धारित साखियाँ–** 50

1 गुरु देव कौ अंग – 1, 5, 10, 16, 27
2 सुमिरण कौ अंग – 4, 15, 22, 27, 31
3 बिरह कौ अंग – 3, 12, 17, 25, 29
4. परचाकौ अंग – 4, 15, 22, 39, 44
5 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग – 1, 5, 12, 13, 17
6 चितावणी कौ अंग – 9, 13, 19, 34, 45
7 मनकौ अंग – 7, 14, 23, 25, 29
8 माया कौ अंग – 2, 12, 20, 28, 32
9 साचकौ अंग – 3, 7, 10, 12, 17
10. कुसंगतिकौ अंग – 1, 3, 5, 6, 7

Unit 2

**निर्धारितपद – 20**

**रागगौड़ी– 1 से 20**

Unit 3:

भक्तिआन्दोलन और कबीर, निर्गुणमत और कबीर, निर्गुण काव्य परम्परा और कबीर, मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर, कबीर का समय, कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व

Unit 4:

कबीर का जीवन वृत्त, कबीर का कृतित्व, कबीर का समाजदर्शन, कबीर का दार्शनिक चिंतन , कबीर की भक्तिभावना

## References:-


1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणा और प्रवृति–रामसजनपाण्डेय
2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिक भूमिका–रामसजनपाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा–पीताम्बरदत्त बडथ्वाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ।
4 कबीर–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता– योगेन्द्रप्रताप सिंह
6 कबीरमीमांसा– डॉ0 रामचंद्रतिवारी, लोक भारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

7 उत्तरीभारत की संत परम्परा–परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप–नजीर मुहम्मद
9 कबीरसाहित्य की परख –परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर– सं0 रामकुमारवर्मा,
11 कबीर की विचारधारा–गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धारा और कबीर–जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

SEMESTER- 1ST

| Name of Program | Master of Arts (Hindi) | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भाषाई दक्षता | Course Code | 25HND201SE01OD |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 4 |
| | | Time of Examinations | 3 Hours |

**Note**

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलता में वृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास

**Unit 1:**

भाषाई दक्षता का विकास

भाषाई दक्षता से तात्पर्य

भाषाई दक्षता का महत्व

श्रवण और वाचन

पठन और लेखन

**Unit 2:** भाषाई दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

भाषाई संरचना की समझ और विकास

भाषा–व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

भाषाई क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

**Unit 3:** भाषाई दक्षता का प्रायोगिक पक्ष

भाषाई दक्षता की रणनीति : आंकलन, लक्ष्य निर्धारण, नियोजन के स्तर पर

शब्द–सामर्थ : सामान्य एवं तकनीकी शब्द

सुनना और बोलना–प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़ना और लिखना– स्वाध्याय और उद्देशय–केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

**Unit 4:** भाषाई दक्षता का व्यावहारिकपक्ष

किसी एक विषय पर–भाषण, वार्तालाप या टिप्पणी, समूहचर्चा

किसी एक विषय का भाव–विस्तार या पल्लनन

द्रुतवाचन–किसी साहित्यिक कृति पर आधारित समीक्षा–पुस्तक–समीक्षा, फिल्म–समीक्षा

**References:**


1. भाषा शिक्षण–रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. सृजनात्मक साहित्य –रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. व्यावसानिक हिंदी–दिलीप सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिंदी–दंगलझाल्टे
5. आधुनिक पत्रकारिता– डॉ. अनुज तिवारी
6. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग– डॉ. ओमप्रकाश
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा–जगदीश्वर चतुर्वेदी

# SEMESTER - II

Semester 2ND

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | आधुनिक हिंदी कविता– 2 | Course Code | **25HND202DS01OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न3.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1:

**सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** : असाध्य वीणा, सोनमछली, एक बूँदसहसाउछली

प्रयोगवादी परंपरा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, असाध्य वीणा का मूलप्रतिपाद्य, अज्ञेय की काव्य भाषा।

Unit 2

**नागार्जुन** : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।

नागार्जन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोकदृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, काव्य भाषा, काव्य शिल्प।

Unit 3:

**गजानन माधव मुक्तिबोध** :अंधेरेमें, भूलगलती

मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्वदृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

Unit 4:

**रघुवीरसहाय** : पढिए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लडकी, रामदास, औरत की चीख, पैदलआदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

स्वातंत्र्योत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य।

## References:-


1 नागार्जुन का रचनासंसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुनविशेषांक
3 सागर से शिखरतक : रामकमलराय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोकवाजपेयी
6 रघुवीरसहाय का कविकर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीरसहाय : सम्पा0 विष्णुनागरऔरअसदजैदी, आधारप्रकाशन, पंचकूला ।
8 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओमप्रकाशअवस्थी
9 अज्ञेय का रचनासंसार : सम्पा0 गंगाप्रसादविमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांतवांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कविऔरकाव्य : डॉ0 राजेन्द्रप्रसाद
12 अज्ञेय : सृजनऔरसंघर्ष : डॉ0
13 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथप्रसादमिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कविअज्ञेय : डॉ0 विद्यानिवासमिश्रा
15 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्र : रतनकुमारपाण्डेय
17 नागार्जुन की कवितामें युगबोध : चन्द्रिकाठाकुर
18 नागार्जुनऔरउनकारचनासंसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचनानागार्जुनविशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन–जगन्नाथपंडित
21 मुक्तिबोध की रचनाप्रक्रिया : अशोकचक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञानऔरसंवेदना : नन्दकिशोरनवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीकऔरबिम्ब : चंचलचौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेकऔरउनकीकविता : डॉ0 लल्लनराय, मंथनपब्लिकेशंस, रोहतक ।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्णभावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ादिल्ली ।

Semester 2ND

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | आधुनिक गद्य साहित्य –2 | Course Code | **25HND202DS02OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

- प्रश्न3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगें, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगें। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Unit 1:**चंद्रगुप्त– जयशंकरप्रसाद**

चंद्रगुप्तनाटक की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त।

Unit 2 **आधे अधूरे–मोहनराकेश**

आधुनिकताबोध, परिवारसंस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र–चित्रण।

Unit 3:**आवारामसीहा–विष्णुप्रभाकर**

जीवनी साहित्य में आवारा मसीहा का स्थान, आवारा मसीहा की रचना के प्रेरक तत्व, आवारा मसीहा में चित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्व वैशिष्ट्य, आवारा मसीहा के संदर्भमें शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि।

Unit 4:**निर्धारित निबंध :** साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्याहै, नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय निर्धारित निबंधों का प्रतिपाद्य एवं शिल्प।

## References:-


1 हिंदी नाटक : उद्भवऔर विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।
3 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीशरस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद ।
4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहनराकेश, डॉ0 गोविन्दचातक, इन्द्र प्रस्थप्रकाशन, दिल्ली।
5 नाटककार मोहनराकेश : जीवन प्रकाशजोशी, सन्मार्गप्रकाशन, दिल्ली ।
6 मोहनराकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पाबंसल, सूर्यप्रकाशन, दिल्ली ।

7 समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
8 हिंदी नाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुमकुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंडकंपनी, दिल्ली ।
10 रंगमंच : बलवंतगार्गी : राज कमलप्रकाशन, दिल्ली ।
11 आचार्यरामचन्द्र शुक्लनिबंध यात्रा : डॉ0 कृष्णदेव, इतिहास, शोध संस्थान, नईदिल्ली ।
12 हिंदी साहित्य मेंनिबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
13 सरदारपूर्ण सिंह : रामअवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14 हिंदीनिबंधकार : जयनाथनलिन, आत्माराम एंडसंस, दिल्ली ।
15 समकालीन ललित निबंध : डॉ0 विमलसिंहल, श्यामप्रकाशन, जयपुर ।
16 आवारा मसीहा : जीवनी के निकषपर, मायामलिक, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल–2** | Course Code | **25HND202DS03OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान

2 प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Unit 1:

**आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास**

परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक 1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

Unit 2

**भारतेंदु युग :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

Unit 3:

**द्विवेदी युग :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

Unit 4

**छायावादीकाव्य :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

**उत्तरछायावादीकाव्य :** प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ

प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताए
नईकविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीनकविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

## References:-


1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्यहजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली ।

5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीनकाव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, नवदीपप्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्णप्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुणकाव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजनपाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मलपब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कलामन्दिर, नईसड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

Semester 2ND

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – 2 | Course Code | **25HND202DS04OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक काहोगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 भाषा और उसके उपांगो का ज्ञान

2 भाषा विज्ञानं की विशिष्ट समझ विकसित होगी

Unit 1:

**हिंदीभाषा का इतिहास**

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ –वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्य युगीन भारतीय आर्यभाषाएँ –पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय –हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

Unit 2

**हिंदी का विकासात्मक स्वरूप**

हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
काव्य –भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य –भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप मे खडी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

Unit 3:

**हिंदी का भाषिक स्वरूप**

स्वनिमव्यवस्था : स्वर –परिभाषा और वर्गीकरण
व्यंजन–परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ में
हिंदीसंज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा, माध्यम भाषा, संचारभाषा

Unit 4

**नागरी लिपि औरहिंदीप्रचार–प्रसार**

हिंदी : प्रचार–प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान
नागरी लिपि का नामकरण और विकास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण

**हिंदीकंप्यूटिंग**

कंप्यूटर परिचय एवं महत्व
आंकडा संसाधन
वर्तनी–शोधन

# References:-


1 भाषाविज्ञान एवंहिंदी– डॉ0 नरेशमिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरीगेट, दिल्ली 2007 ई0
2 हिंदीभाषा– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2005 ई0
3 भाषाविज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, सरोजनीनायडूमार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई0
4 भाषाविज्ञान की भूमिका– प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्णप्रकाशन, अंसारीरोड, दरियागंज दिल्ली–2001 ई0
5 हिंदीभाषा का इतिहास– डॉ0 धीरेन्द्रवर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0
6 हिंदी : उद्भव विकास और रूप– डॉ0 हरदेवबाहरी, किताबमहल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 1980 ई0
7 सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ0 बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई0
8 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहारग्रंथ अकादमी, कदमकुऑ, पटना 2000 ई0
9 आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह–चतुर्भुजसहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली, 2000 ई0
10 नागरी लिपि – डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली, 2001 ई0

Semester 2ND

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **विशेष रचनाकार कबीरदास– 2** | Course Code | **25HND202DS05OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एकअंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1 और 2 से कुल आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न 3. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 3 और 4 से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यूनिट 3 और 4 से दो–दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं।, प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्टज्ञान

2 कवि कबीरदास की कविता की समझ विकसित होगी

Unit 1:व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : कबीरग्रंथावली– सं. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

**निर्धारितसाखियाँ–** 50

संगतिकौ अंग – 2, 3, 5, 7, 8 साध कौ अंग – 3, 7, 10, 11, 13
बिचारकौ अंग – 2, 4, 5, 7, 8 उपदेशकौ अंग – 1, 4, 6, 8, 10
विर्कताईकौ अंग – 1, 3, 6, 7, 10 जीवन मृतककौ अंग – 2, 4, 7, 12, 14
कालकौ अंग – 4, 7, 11, 16, 19 संजीवनीकौ अंग – 1, 2, 5, 6, 7
कस्तूरियांमृगकौ अंग – 3, 4, 6, 7, 8 निंद्याकौ अंग – 1, 3, 4, 5, 7

Unit 2

**निर्धारित** पद – 20

रामरामकली– 143 से 163तक

Unit 3

कबीर का स्त्री विषयक चिंतन
कबीर की मानवतावादीदृष्टि
कबीर का रहस्यवाद
कबीर के राम
कबीर की प्रासंगिकता

Unit 4

कबीर के काव्यरूप
कबीर की उलटबासियाँ
कबीर की भाषा एवंप्रतीक योजना
कबीर के पारिभाषिक शब्द : अलख, उन्मनि, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरतिनिरति, नादबिंदु, औंधा कुँआ।

## References:-


1 निर्गुणकाव्य : प्रेरणा और प्रवृति–रामसजनपाण्डेय
2 निर्गुणकाव्य की सांस्कृतिक भूमिका–रामसजनपाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा–पीताम्बरदत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंगहाउस, लखनऊ ।
4 कबीर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता– योगेन्द्रप्रताप सिंह
6 कबीरमीमांसा– डॉ0 रामचंद्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरीभारत की संत परम्परा–परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप–नजीरमुहम्मद
9 कबीरसाहित्य की परख –परशुरामचतुर्वेदी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर– सं0 रामकुमारवर्मा,
11 कबीर की विचारधारा–गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुणकाव्य धारा और कबीर–जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

Semester-2nd

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **कंप्यूटर और हिंदी** | Course Code | 25HND202SE01OD |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

**Note :**

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एकअंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
2 ई–लर्निंग और ई–शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
3 हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

Unit 1: **कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी**

कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास हिंदी के विविध फॉन्ट्स
कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

Unit 2:**हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी**

इंटरनेट और हिंदी
देवनागरी और यूनिकोड
हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

Unit 3: **हिंदीभाषा, कंप्यूटर और ई–शिक्षण**

हिंदी भाषा और ई–शिक्षण
ई–लर्निंग और हिंदी
हिंदी भाषा में ई–पुस्तकालय और ई–पाठशाला

Unit 4: **हिंदी भाषा और कंप्यूटर प्रायोगिक पक्ष**

इंटरनेट पर हिंदी पत्र–पत्रिकाओं का परिचय
हिंदी में वेब पेज तैयार करना
हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

## References:-


1 हरिमोहन, कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

2. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

3. मल्होत्रा, विजय कुमार, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

4. गोयल, संतोष, हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

5. शर्मा, पी. के., कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

6. द्विवेदी, संजय (संपादक), सोशलनेटवर्किंगः नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।

7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा,पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह, कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

8. रंजन, राजेश, अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

# SEMESTER - III

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 1** | Course Code | **26HND203DS01OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है।प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:**चन्दवरदायी** : पृथ्वीराजरासउ का पदमावती समय : संपादक माताप्रसादगुप्त (सम्पूर्ण)
पृथ्वीराजरासो की प्रमाणिकता, पृथ्वीराजरासो का वस्तुवर्णन, पदमावती समय का काव्य सौंदर्य

Unit 2 **विद्यापति :** विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी
निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174, 176, 178, 190, 191, कुल 20 पद
विद्यापति : भक्त या श्रृंगारीकवि, विद्यापति का श्रृंगारवर्णन, सौंदर्यबोध, गीतियोजना, काव्य शिल्प

Unit 3**कबीर**: संपादक : आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी
निर्धारितअंश (।) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, –30
कबीर की सामाजिक विचारधारा,
कबीर की निर्गुणोंपासना,
कबीर का दार्शनिक चिंतन,
कबीर की प्रासंगिकता,
कबीर का काव्य शिल्प

Unit 4: तुलसीदास: व्याख्या हेतु:

रामचरितमानस (सुंदरकांड) गीता प्रेस गोरखपुर
तुलसी के राम
तुलसी की समन्वय भावना
तुलसी की भक्ति भावना
तुलसी का आदर्शवाद
तुलसी का काव्य शिल्प

## References:-


1 पृथ्वीराजरासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोकप्रकाशन, कानपुर

2 चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिनबिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।

3 आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।

4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजनपाण्डेय, अनंगप्रकाशनमन्दिर, दिल्ली ।

5 विद्यापति : व्यक्तिऔर कवि–डॉ0 रामसजनपाण्डेय, दिनमानप्रकाशन, दिल्ली ।

6 विद्यापति–विश्वनाथमिश्र, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।

7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानकदेव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।

8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, वाराणसी ।

9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्च और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।

10 मध्ययुगीनकाव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्रतिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।

11 संत कबीर–रामकुमारवर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

12 संत कविदादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नईदिल्ली ।

13 गोस्वामी तुलसीदास- रामजी तिवारी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

14 गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, साहित्य सरोवर, आगरा

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **भारतीय काव्यशास्त्र – 1** | Course Code | **26HND203DS02OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक काहोगा।। पूरा प्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा। प्रश्न–**3.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्र का विशिष्ट ज्ञान**

**2 छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना**

Unit 1:**काव्य : स्वरूप और प्रकार**

काव्य : अर्थ औरपरिभाषा
काव्य–हेतु
काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

Unit 2 **रस––सिद्धान्त**

रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति
साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

**अलंकारसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ**

**रीतिसिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ**

Unit 3 **ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ**

**वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ**

**औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ**

Unit 4: **हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि**

आचार्यरामचन्द्र शुक्ल
आचार्यनन्द दुलार वाजपेयी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
डॉ0 रामविलास शर्मा

## References:-


1 1 काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्रप्रताप सिंह, लोक भारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेवचौधरी, अलंकार प्रकाशन, नईदिल्ली ।
5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभाप्रकाशनमंदिर, दिल्ली ।
6 साहित्यालोचन–श्यामसुन्दरदास, इण्डियनप्रैस, प्रयाग ।
7 हिंदीआलोचना : उद्‌भवऔरविकास–भगवतस्वरूपमिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
8 आलोचकऔरआलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचनाप्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10 साहित्य का आधारदर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोकप्रकाशन, भिवानी ।
11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
12 हिंदीआलोचना का विकास–डॉ0 सुरेशसिन्हा, रामाप्रकाशन, लखनऊ ।
13 हिंदीआलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

Semester- 3rd

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **भारतीय साहित्य–1** | Course Code | **26HND203DS03OD** |
| Hours per Week | 04 | Credits | 04 |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर आठ लगभग **250-250 शब्दों में** देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1** हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान

**2 भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित करता है**

Unit 1:**भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा**

भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीयता का समाज शास्त्र
हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

Unit 2 **बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन**

चैतन्य पूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय
वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां

Unit 3

बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा
बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा
बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा

Unit 4 **हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन**

हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवंरवीन्द्रनाथटैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

## References:-


1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य–सुकुमारसेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्टविलियम कालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

Semester- 3rd

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **प्रयोजनमूलक हिंदी–।** | Course Code | **26HND203DS04OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रममें से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.**निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1** राजभाषा हिंदी का ज्ञान कराना

**2** कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकारों की जानकारी

Unit 1:**प्रयोजन मूलक हिंदी और राजभाषा**

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचारभाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

Unit 2 **हिंदीकंप्यूटिंग**

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्यप्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

Unit 3**अनुवाद : सिद्धांत एवंव्यवहार**

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
- काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

## References:-


1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजन मूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

Semester-3rd

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **विशेष रचनाकार प्रेमचंद– 1** | Course Code | **26HND203DS06OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक -एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से ईकाई एक और इकाई दो से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से दो–दो व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

- प्रश्न3.निर्धारित पाठ्यक्रममें से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 प्रेमचंद युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना
2 प्रेमचंद को समग्रता से समझना

Unit 1:प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ

बडेभाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूँ,
बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ,
दोबैलों की कथा, सद्गति, पंचपरमेश्वर, परीक्षा, कफन ।

Unit 2 निर्धारित निबंध –नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन और साहित्य में घृणा का स्थान, कहानी कला

Unit 3**आलोच्य विषय**

प्रेमचंद का जीवन –वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घरमें के विशेष संदर्भ में)
प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा
राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद
प्रेमचंद का जीवन –दर्शन
हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान

Unit **4 आलोच्य विषय**

प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ
प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा संबंधी प्रेमचंद के विचार)
पत्रकारिता के संदर्भ में प्रेमचंद का योगदान
प्रेमचंद की भाषा
प्रेमचंद की प्रासंगिकता

## References:-


1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृतिव्यक्तित्व
2 नन्ददुलारेवाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमललोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथप्रसादतिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नवमूल्यांकन
10 कमलकिशोरगोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान
11 नन्द किशोरनवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

| Name of Program | Master of Arts (Hindi) | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल – 1** | Course Code | 26HND203SE01OD |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 4 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

**Note :**

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एकअंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. रचना एवं प्रयोग में होने वाली अशुद्धियों से अवगत कराना
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करना
3. विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल में वृद्धि करना

**Unit 1**भाषा का स्वरूप

भाषा का सामाजिक संदर्भ और विविध प्रयोग

**Unit 2:**हिंदी भाषा की संरचना

हिंदी भाषा की प्रयोगगत अशुद्धियां

हिंदी भाषा का मानकीकरण

**Unit 3** हिंदी भाषा के अनुप्रयोग गत आयाम

प्रयोजन मूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप

मनोरंजन की हिंदी

ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र की हिंदी

अनुवाद और हिंदी

**Unit 4:**संप्रेषण कौशल : स्वरूप एवंप्रकार

संप्रेषण के बढ़तेचरण : सूचना समाज, संचार

संप्रेषण और संचार में अंतःसंबंध

**References**1.


1. भाषा शिक्षण–रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र –रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. व्यावसानिक हिंदी–दिलीप सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिंदी–दंगलझाल्टे
5. संचार भाषा हिंदी–सूर्यप्रसाद दीक्षित
6. व्यावहारिक हिंदी एवंप्रयोग– डॉ. ओमप्रकाश
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा–जगदीश्वर चतुर्वेदी

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 2** | Course Code | **26HND204DS01OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न **एक-एक अंक का** होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न 3.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1**सूरदास**

भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य पद–21 से 50–कुल 30 पद

**आलोचनात्मकप्रश्न**

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत, सूर की भक्तिभावना, सूर का शृंगार वर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर की भाषा–शैली, सूर की गीतियोजना, भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

Unit 2 **तुलसीदास**

कवितावली, गीताप्रैसगोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारत पद

बालकाण्ड – 1 से 5, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड – 1,2,7,11,12,19 से 25

उत्तरकाण्ड – 26 से 50

तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि, तुलसीदास की प्रासंगिकता, तुलसीदास की समन्वय भावना, कवितावली का काव्य रूप, कवितावली का काव्य सौष्ठव, तुलसीदास की लोकमंगल–भावना

Unit 3 **बिहारी**

बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

निर्धारित दोहे–1, 2, 13,16, 25, 31, 32, 38, 51, 52,61, 69, 70, 71, 73, 78, 85,103, 112, 121, 141, 142, 154, 171,191, 192, 201, 207, 217, 228, 251, 255, 285, 299, 301, 303, 321, 327, 341, 347, 357, 386, 432, 472, 519, 576, 635, 677, 681, 713–50दोहे

**बिहारी–आलोचनात्कमप्रश्न**

सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई

बिहारी का शृंगारवर्णन

बिहारी की बहुज्ञता

बिहारी का शिल्पपक्ष

Unit 4:

भूषण

भूषण ग्रंथावली- संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन सन 2012

शिव भूषण- 50, 350, 409, 411, 420, 423, 429, 430, 438, 443, 446, 477, 504, 510, 522

भूषण का जीवन वृत व रचनाएँ

हिंदी वीर काव्य परम्परा और भूषण

भूषण का वीर रस वर्णन

भूषण का शिल्प पक्ष

## References:-


1 तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ ।

2 तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

3 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।

4 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।

5 सूर और उनका साहित्य– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़।

6 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूपमिश्र एवंविश्वम्भरअरुण, शिवलालअग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।

7 बिहारी और उनकासाहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारतप्रकाशनमन्दिर, अलीगढ़ ।

8 हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्यरामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणीसभा, काशी ।

9 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली ।

10 महाकवि बिहारी का श्रृंगार निरूपण–डॉ0 गणपति चन्द्रगुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली ।

11 भारतीय साहित्य के निर्माता भूषण- राजमल वोरा, साहित्य अकादमी, दिल्ली

Semester- 4th

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **भारतीय काव्यशास्त्र – 2** | Course Code | **26HND204DS02OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–**2**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घप्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1 हिंदी साहित्य में भारतीय काव्यशास्त्रका विशिष्ट ज्ञान**

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

Unit 2 ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

Unit 3 मैथ्यूआर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

Unit 4:काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–
स्वच्छन्दतावाद
शास्त्रीयतावाद
अभिव्यंजनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तरआधुनिकतावाद

## References:-


1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिली प्रसादभारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली ।

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथबाली, शब्दकार, दिल्ली ।

4 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

5 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।

6 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातनसंदर्भ– सत्यदेवमिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

8 हिंदीआलोचना के आधारस्तम्भ–सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

9 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्रतिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

10 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली ।

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **भारतीय साहित्य– 2** | Course Code | **26HND204DS03OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10अंक का होगा।
- प्रश्न–2.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
- प्रश्न 3.निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1** हिंदी साहित्य के भारतीय साहित्य का ज्ञान

**2 प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी**

Unit 1:**दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।**

**निर्धारित गजलें :**

| | |
|---|---|
| बस कि दुश्वार है | 18 |
| ये न थी हमारी किस्मत | 21 |
| ज़िक्र उस परीचश का | 44 |
| रहिए अब ऐसी जगह | 128 |
| कोई उम्मीदबर नहीं आती | 162 |
| दिले नादां तुझे हुआ क्या है | 163 |
| हर एक बात पै कहते हो | 179 |
| नुक्तची है ग़म–ए–दिल | 192 |
| इब्नेमरियम हुआ करे कोई | 216 |
| हजारों ख्वाहिशें ऐसी | 220 |

- ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव

Unit 2 रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड I), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली

**पाठ्यक्रममें निर्धारित कहानियॉ–**

पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र औरपात्री

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियॉ–पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्र चित्रण पर आधारित प्रश्न

Unit 3'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर' खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूलसंवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य, रंगमंच की दृष्टि से नाटक

## UNIT-4

संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

संस्कार : उपन्यास का मूलप्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, उपन्यास का शिल्प–पक्ष

## References:-


1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदीसाहित्य –सुकुमारसेन, हिंदी साहित्य सम्मेलनप्रयाग सं0 2009
2 रवीन्द्र कविताकानन–सूर्यकांत त्रिपाठीनिराला, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्टविलियम कॉलेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्मसाधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद सं0 1013

Semester-4th

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **प्रयोजन मूलक हिंदी– 2** | Course Code | **26HND204DS04OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

Note:

- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से सात प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।
- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल छः दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा।
- प्रश्न–3.इकाई–3 में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 20 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को 14 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

1 हिंदी पत्रकारिता व समाचार लेखन का ज्ञान।

2 संचार माध्यम व मीडिया की समझ विकसित होगी।

## Unit 1 पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

## Unit 2 मीडिया लेखन

जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ

जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचारपत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

## भाषा-विज्ञानशब्दावली

Accent-आघात बल
Adjective- विशेषण
Alphabet-वर्णमाला
Bilingual-द्विभाषी
Bracket-कोषटन
Close-संवर्त
Comma-अल्पविराम
Concept-संकरना
Density- घनत्व
Derive- युक्ति
Domal-मूर्धन्य
Ear- कान
Editing- संपादन
Explosion- विस्फोट
Folk Speech- लोक भाषा
Formula-सूत्र
Gap- रिक्ति
Glossary-शब्दावली
Graph- आलेख
Half Open- अर्ध विवर्त
Hybrid Word-संकर शब्द
Idiomatic- मुहावरेदार
Labial- ओष्ठ्य
Lexis- शब्द समूह
Mapping- मन चित्रण
Motion- गति
Nasal- नासिक्य
Phase- वाक्यांश
Root- धातु
Spelling- वर्तनी
Style- शैली
Vowel- स्वर

## मानविकी शब्दावली

Abbreviation-संक्षेपण
Absence-अनुपस्थिति
Adhoc- तदर्थ
Basic- मूल आधारभूत
Class-वर्ग / कक्षा
Concept-संकल्पना
Definition-परिभाषा
Dialect-बोली
Epic-महाकाव्य
Ethics-नीतिशास्त्र
Faculty- संकाय
Format- प्रारूप
Grant-अनुदान
Gender- लिंग
Heading- शीर्षक
Idiom- मुहावरा
Journalism-पत्रकारिता
Logic- तर्कशास्त्र
Method- पध्दति
Monopoly-एकाधिकार
Noun-संज्ञा
Notification- अधिसूचना
Officiating- स्थानापना
Ordinance- अध्यादेश
Part Time-अंश कालिक
Proverb -लोकोक्ति
Record- अभिलेख
Sample- नमूना

**प्रशासनिक** शब्दावली

Ability- योग्यता

Acceptance- स्वीकार्य

Actual- वास्तविक

Allowance-भत्ता

Background- पृष्ठभूमि

Back Log- पिछला बकाया

Casual Leave-आकस्मिक अवकाश

Concession-रियायत

Daily Allowance-दैनिक भत्ता

Dead Line- समय सीमा

Delete- हटाना

Economy- अर्थ व्यवस्था

Employee- कर्मचारी

Face Value-अंकित मूल्य

Fine Art-ललित कलायें

Gazetted-राजपत्रित

Gold Medal- स्वर्ण पदक

Handover-सौंपना

Honorary-मानक/अवैतनिक

Illegal-अवैध

Keyboard-कुंजीपटल

Light House-प्रकाशस्तम्भ

Management- प्रबंधन

Nationalism-राष्ट्रीयता

Oath-शपथ

Pay Scale-वेतनमान

Quiz-प्रश्नोतरी

Renewal-नवीकरण

Salary-वेतन

Script-आलेख/लिपि

Target-लक्ष्य

Time Table-समय सारिणी

Ultimate-अंतिम चरण

Verbal-मौखिक

Warning-चेतावनी

Welfare-कल्याण

Xerox Copy- छायाप्रति/जीरोक्स कापी

Youth-युवा

Zeal- उत्साह/जोश

Zonal-आंचलिक

**कंप्यूटरशब्दावली**

Absolute- निरपेक्ष

Account- खाता

Back Up- पूर्तिकर

Blank- रिक्त

Cancel-निरमन

Code- कूट

Computer- कंप्यूटर

Control- नियंत्रण

Data- आंकड़ा

Delete- विलोपन

Diagram- आरेख

Edit- संपादन

Error- त्रुटी

Enter-प्रवेश

Feed Back- पुनर्भरण

File-संचिका

Graph- आलेख

Graphic Display Unit- आलेखी प्रदर्शक

Hand Up - अनायोजित विराम

Keyboard- कुंजीपटल

Location- स्थान

Memory- स्मृति

Micro Code- सूक्ष्म कूट

Network-जालकर्म

Processing-संसाधन

Process-प्रक्रम

Screen-प्रपट्ट

User-उपभोक्ता

Window- गवाक्ष

## References:-


1 राजभाषा हिंदी–कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्रगुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेशमिश्र, निर्मलप्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेशमिश्र, अभिनवप्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्रवर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजन मूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्रकुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्तभाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।
14 प्रयोजनमूलकहिंदी: रोजगार का राजद्वार-डॉ नरेश मिस्र केंद्रीय हिंदी निदेशालय]तथा नेशनल बुक ट्रस्ट] नई दिल्ली

Semester-4th

| Name of Program | **Master of Arts (Hindi)** | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | **विशेष रचनाकार प्रेमचंद – 2** | Course Code | **26HND204DS06OD** |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 04 |
| | | Time of Examinations | 03 Hours |

- Note:
- प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रममें से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।।
- प्रश्न–2. निर्धारित पाठ्यक्रम में इकाई 1, 2 और 3 से कुल छ' अवतरण दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक यूनिट से एक व्याख्या करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न 3. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंक का होगा।

Course Learning Outcomes (CLO):

**1** हिंदी साहित्य का ज्ञान होगा।

**2** हिंदी उपन्यासों की समझ विकसित होगी।

Unit 1:रंगभूमि

Unit 2 कर्मभूमि

Unit 3प्रेमाश्रम

Unit **4 आलोच्य विषय**

1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास–परम्परा

2 प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक–चेतना

3 प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्श और यथार्थ

4 प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी–चित्रण

5 प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प

6 रंगभूमि में गॉधीवादी दर्शन

7 प्रेमाश्रम में कृषक जीवन

8 कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन

9 हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

## References:-


1 जैनेन्द्रकुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्ददुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानीदेवी : प्रेमचंद घरमें
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंदपरिचर्चा
7 राजेश्वरगुरु संपादक : गोदान मूल्यांकनमाला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेशजैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा –नवमूल्यांकन
10 कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमलकोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदनगोपाल : कलम का मजदूर

Semester- 4th

| Name of Program | Master of Arts (Hindi) | Program Code | |
|---|---|---|---|
| Name of the Course | हिंदी भाषा और अभिव्यक्ति कौशल- 2 | Course Code | 26HND204SE01OD |
| Maximum Marks | 100<br>70 (Theory)<br>30 (Assignment) | Credits | 4 |
| | | Time of Examinations | |

**Note :**

- Note: प्रश्न–1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
- प्रश्न–**2.** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250–250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का होगा। पूरा प्रश्न **20** अंक का होगा।
- प्रश्न–**3**. निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक यूनिट से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का होगा। पूरा प्रश्न **40** अंक का होगा।

**Course Learning Outcomes (CLO):**

1. भाषाई दक्षता का विकास
2. विद्यार्थियों की कार्यकुशलता में वृद्धि
3. विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास

**Unit 1** हिंदीभाषा की बोलियां

हिंदी भाषा की शैलियां

**Unit 2:**संक्षेपण : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ

प्रतिवेदन : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ

**Unit 3** हिंदी विविध प्रयुक्तियां

बोलचाल की हिंदी, साहित्यिक हिंदी, विज्ञान की हिंदी, कार्यालयी हिंदी

**Unit 4:** प्रभावी लेखन, संचार माध्यम के लिए लेखन

विविध पत्र लेखन

**References**1.


1. हिंदीभाषा, भोलानाथ तिवारी
2. प्रयोजनमूलकहिंदी : सिद्धांत एवंप्रयोग, दंगलझाल्टे
3. हिंदी का सामान्य ज्ञान, हरदेवभारती
4. संचारभाषा हिंदी, सूर्यप्रसाददीक्षित
5. राजभाषा हिंदी, भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी भाषा का सामाजिक संदर्भ, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव